कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं बी.एड. संकायों की नैक (B++) प्रत्यायित संस्था

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:सितम्बर-2025

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:सितम्बर-2025

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी
उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

September-2025

कार्यक्रम-विवरण

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1	01.09.2025 सोमवार	महाविद्यालय	युगपुरूष ब्रह्मलीन मंहत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति व्याख्यान	1–2
2	01.09.2025 सोमवार	बी.एड. विभाग	अभिविन्यास कार्यक्रम	2–3
3	02.09.2025 मंगलवार	वाणिज्य संकाय	अभिविन्यास कार्यक्रम	3
4	04.09.2025 वृहस्पतिवार	गणित विभाग	शिक्षण कौशल प्रतियोगिता	4
5	10.09.2025 बुधवार	महाविद्यालय	युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 56वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महराज की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन	5–6
6	12.09.2025 शुक्रवार	वाणिज्य विभाग एवं प्लेसमेंट सेल	कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम	6–7
7	15.09.2025 सोमवार	बी.सी.ए. एवं कंप्यूटर साइंस विभाग	संगोष्ठी का आयोजन	7–8
8	16.09.2025 मंगलवार	बी.एड. विभाग	विश्व ओज़ोन दिवस पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, पौधरोपण एवं जागरूकता	8
9	17.09.2025 बुधवार	महाविद्यालय	सृष्टि त्रिपाठी गूगल कैंपस एंबेसडर चयनित	9
10	19.09.2025 शुक्रवार	महाविद्यालय	आई.क्यू.ए.सी. की बैठक	10
11	20.09.2025 शनिवार	प्राणि विज्ञान विभाग	जूलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व अल्जाइमर	11
12	22.09.2025 सोमवार	महाविद्यालय	महाविद्यालय के दो प्राध्यापक 'नेशन बिल्डर अवॉर्ड' से सम्मानित	12–13
13	24.09.2025 बुधवार	महाविद्यालय	महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर के डिजाइन को ब्रिटेन की संस्था ने किया पेटेंट	13–14

September-2025

14	24.09.2025 बुधवार	गणित विभाग	युवाओं को प्रेरित करने कार्यक्रम का आयोजन	14
15	27.09.2025 शनिवार	महाविद्यालय	महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष, पूर्वांचल विष्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह जी का निधन	15–16
16	28.09.2025 रविवार	राष्ट्रीय सेवा योजना	राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम	16
17	28.09.2025 रविवार	एन.सी.सी.	राष्ट्रव्यापी श्रमदान कार्यक्रम	17
18	28.09.2025 रविवार	महाविद्यालय	विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश / 2047'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन	17–18
	29.09.2025 सोमवार	प्लेसमेंट सेल	बी.कॉम प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए रोजगारोन्मुखी शिक्षा	18

September-2025

युगपुरूष ब्रह्मलीन मंहत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति व्याख्यानमाला के अन्तर्गत ''अखण्ड भारत की अवधारणा'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 01.09.2025 को महाविद्यालय में युगपुरूष ब्रह्मलीन मंहत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति व्याख्यानमाला के अन्तर्गत ''अखण्ड भारत की अवधारणा'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन समाजशास्त्र मनोविज्ञान एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. अरविन्द कुमार सिंह, प्राचार्य, शिवपति पी.जी. कॉलेज शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर थे। इस अवसर पर उन्होने कहा कि राष्ट्र एक भाव–भावना से जुड़ा शब्द है। 15 अगस्त, 1947 की रात में हमने भारत विभाजन की सीमा को स्वीकार किया, यह अखण्ड भारत की खण्डित रेखा कृत्रिम है। कोई भी राष्ट्र एक जीवित शरीर की तरह ही होता है और इसे राष्ट्र बनाने वाले यहॉ के लोग होते है। यह पृथ्वी हमारी माता है और हम उसके पुत्र है। पूरी दुनिया के अन्दर भारतीय संस्कृति के अवशेष किसी न किसी रूप में विद्यमान है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री राजेन्द्र भारती ने कहा कि आज राजनीति में सबसे बड़ा खतरा जातीय राजनीति है। हमें सम्पूर्ण भारतवर्ष को एक अखण्ड राजनीतिक इकाई के रूप में देखना चाहिए। हमारी पहचान ही धर्म था, हम अपनी संस्कृति व सभ्यता से पूरे विश्व को आप्लावित कर विश्वगुरू के रूप में स्थापित होंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि भारत का भौगोलिक विस्तार सांस्कृतिक रूपों में बड़ी व्यापक रही है। आज भारतवंशियों का वर्चस्व दुनिया के कई सारे देशों में बना हुआ है। यदि विभाजन के बीज पहले से मौजूद नहीं रहेंगे तो हमें कोई भी तोड़ नहीं सकता। जिन्ना की जिद और नेहरू की उम्मीद के बीच इस देश का बंटवारा किया गया।

उक्त कार्यक्रम में प्रस्ताविकी प्रो0 अर्चना सिंह, प्रभारी, समाजशास्त्र विभाग, अतिथि परिचय डॉ. विवेक शाही संयोजक व्याख्यानमाला, धन्यवाद ज्ञापन अवधेश शुक्ला, प्रभारी शारीरिक शिक्षा विभाग व संचालन डॉ. समृद्धि सिंह ने किया।

बी.एड. प्रथम सेमेस्टर हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 01.09.2025 को महाविद्यालय के शिक्षक–शिक्षा विभाग में बी.एड. प्रथम सेमेस्टर सत्र 2025–26 के विद्यार्थियों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुभाष चन्द्र ने बी.एड. प्रशिक्षुओं को महाविद्यालय एवं विभाग के द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सुविधाओं के बारे में अवगत कराते हुए उन्हें संपूर्ण पाठ्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बी.एड. पाठ्यक्रम के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों से अवगत कराते हुए, सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की। उनके द्वारा प्रशिक्षुओं को बी.एड. सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम के बाह्य एवं आन्तरिक प्रणाली से अवगत कराते हुए क्रेडिट प्रणाली के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई।

सहायक आचार्य श्री राकेश कुमार सिंह ने छात्र परिषद् तथा विभिन्न समितियों के गठन, एवं उसके कार्यों पर प्रकाश डाला। विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार तिवारी ने प्रशिक्षुओं को नियमित उपस्थित होकर गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण हेतु अभिप्रेरित किया। विभाग के प्रभारी प्रो. (डॉ.) शुभ्रा श्रीवास्तव ने प्रशिक्षुओं को अनुशासन में रहते हुए प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु अभिप्रेरित किया।

वाणिज्य संकाय में इंडक्शन प्रोग्राम

दिनांक 02.09.2025 को महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय में इंडक्शन प्रोग्राम (अभिविन्यास कार्यक्रम) का आयोजन किया गया जिसमें बी.कॉम प्रथम वर्ष एवं एम.कॉम प्रथम वर्ष के नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं ने सहभाग किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि विद्यार्थियो को उच्च–गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना नई शिक्षा निति का प्रमुख उद्देश्य है जिससे विद्यार्थियो को ऐसे व्यावहारिक और व्यावसायिक कौशल से लैस करना जो उन्हें रोजगार और उद्योगों में आगे बढ़ने में मदद करें तथा महाविद्यालय में उपलब्ध गैर शैक्षणिक गतिविधियों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया।

वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार सिंह ने छात्र–छात्राओं को महाविद्यालय के विजन, मिशन, मूल्य, संस्कृति और लोकाचार के बारे में चर्चा की।

शिक्षक दिवस के पूर्व सन्ध्या पर शिक्षण कौशल प्रतियोगिता

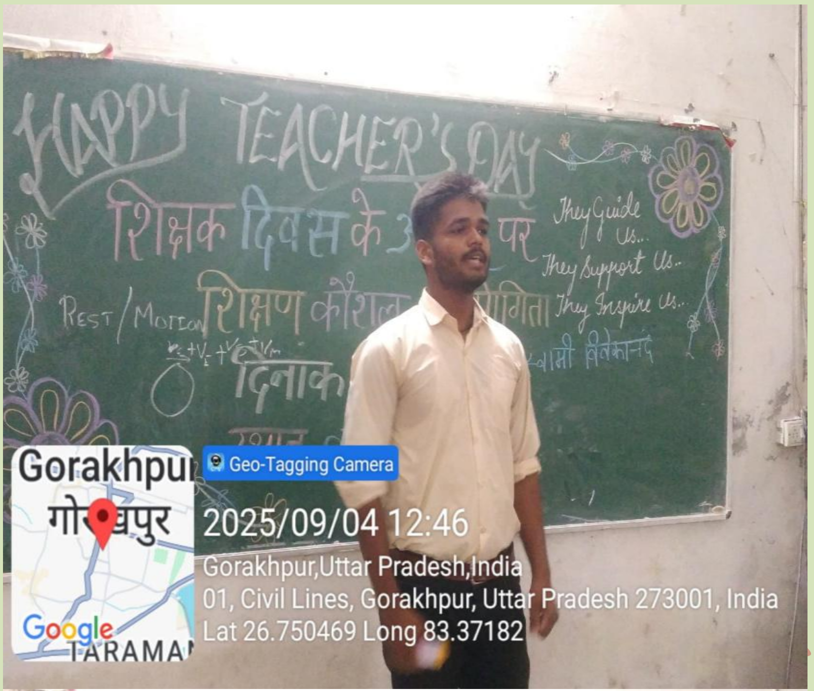

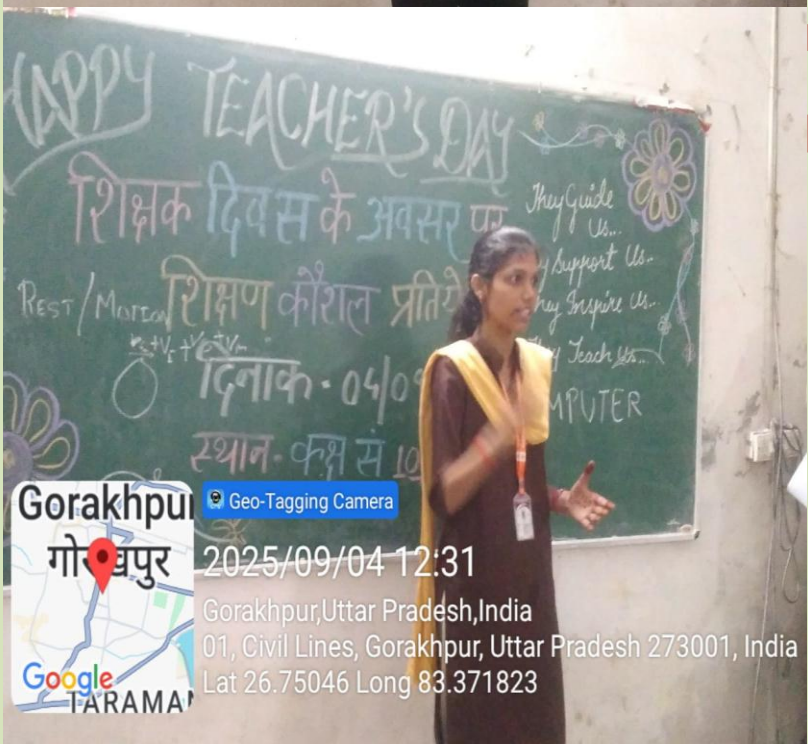

दिनांक 04.09.2025 को महाविद्यालय के गणित अनुभाग द्वारा शिक्षक दिवस के पूर्व सन्ध्या पर शिक्षण कौशल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. नितीश शुक्ला, प्रभारी भौतिक विज्ञान विभाग ने कहा कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में शिक्षण की दक्षता, अभिव्यक्ति क्षमता, आत्म विश्वास, समयवद्ध अभिव्यक्ति व नवाचार को प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता में बी.एस.सी. गणित के विभिन्न सेमेस्टर के 15 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एस.सी. पंचम सेमेस्टर के प्रशान्त गुप्ता ने प्रथम स्थान, बी.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा शौर्या सिंह एवं नन्दिनी ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान तथा बी.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर के राज गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 56वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महराज की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन

दिनांक 10.09.2025 को युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 56वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महराज की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर महाविद्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नैमिषारण्य के स्वामी विद्या चैतन्य जी थे उन्होने अपने उद्बोधन में कहा कि महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं पूज्य अवेद्यनाथ जी महाराज बहुत ही लोकप्रिय एवं जनप्रिय संत थे। दिग्विजयनाथ जी महराज ने अपने कार्यो एवं प्रेरणा से समाज को जागरूक कर स्वतंत्रता हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री पृथ्वी राज सिंह पूर्व प्रान्त संचालक, गोरक्षप्रान्त, राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने राष्ट्र एवं समाज के उत्थान में बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। गोरखनाथ मन्दिर सामाजिक समरसता को स्थापित करने में सबसे अग्रणी भूमिका में रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीयता और हिन्दुत्व एक दूसरे के पर्यायवाची है। साथ ही भारत ज्ञान एवं शांति के मार्ग पर चलते हुए पूरी दुनिया को नेतृत्व प्रदान करने की क्षमता रखता है।

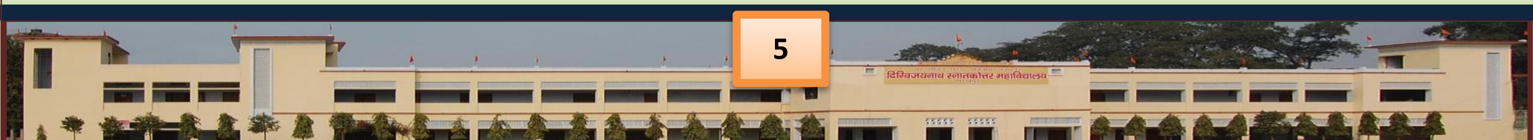

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि किसी संस्था एवं समाज के लिए यह आवश्यक होता है कि जिन व्यक्तियों ने समाज के विकास में अपना योगदान दिया है उनके प्रति हम कृतज्ञता का भाव अर्पित करें। आज यह कार्यक्रम इन्ही संतो के प्रति कृतज्ञता अर्पित करने हेतु आयोजित किया गया है। महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज राज परिवार से होते हुए अपने जीवन को समाज तथा गोरखनाथ मन्दिर के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने शिक्षा के माध्यम से भारत की पराधीनता की बेड़ियों को तोड़ने का कार्य किया।

कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह, सहायक आचार्य रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग ने किया तथा आभार ज्ञापन हिन्दी विभाग के प्रभारी प्रो. नित्यानन्द श्रीवास्तव ने किया।

वाणिज्य विभाग एवं प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में बी.कॉम अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम

दिनांक 12.09.2025 को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग एवं प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में बी.कॉम अंतिम वर्ष के छात्र–छात्राओं के लिए कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम "द पावर ऑफ सॉफ्ट स्किल" विषय पर आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता बृजेश भाटिया, लीड स्ट्रैटजी कॉरपोरेट लर्निंग एंड आउटरीच कैटलिस्ट, GIMS (GNIOT) थे। उन्होने अपने उद्बोधन में कहा कि तेज़ी से बदलते रोजगार बाज़ार में अब केवल डिग्री और तकनीकी कौशल पर्याप्त नहीं हैं। नौकरी पाने

और लंबे समय तक सफल बने रहने के लिए युवाओं को सॉफ्ट स्किल्स पर विशेष ध्यान देना चाहिए। **कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ संजीव कुमार सिंह ने कहा कि** विद्यार्थियो को आत्म–जागरूकता, संचार कौशल, भावनात्मक नियंत्रण और अनुकूलनशीलता से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है।

बी.सी.ए. एवं कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 15.09.2025 महाविद्यालय के बीसीए एवं कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा ''इंजीनियर्स डे'' के अवसर पर "कंप्यूटर ग्राफिक्स" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों से परिचित कराना तथा उनके ज्ञान में व्यावहारिक वृद्धि करना था।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. स्वर्ण प्रकाश मल्ल ने कंप्यूटर ग्राफिक्स की मूलभूत अवधारणाओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने MATLAB प्रोग्रामिंग के विभिन्न टूल्स एवं फीचर्स का परिचय कराते हुए यह बताया कि किस प्रकार MATLAB का उपयोग शोध, इंजीनियरिंग डिज़ाइन एवं वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने में किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. हरि शंकर गुप्ता, अध्यक्ष, बीसीए विभाग ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों को तकनीकी ज्ञान के साथ–साथ नवाचार की प्रेरणा भी मिलती है।

September

अंत में छात्रों ने प्रश्नोत्तर सत्र में सक्रिय भागीदारी की और कम्प्यूटर ग्राफिक्स व MATLAB से जुड़े अपने संदेह दूर किए। कार्यक्रम को छात्रों ने एक ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी अनुभव बताया।

विश्व ओज़ोन दिवस पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, पौधरोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 16.09.2025 को महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग में विश्व ओजोन दिवस पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, पौधरोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में सर्वप्रथम बी.एड. प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं के लिए पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में प्रशिक्षु गार्गी त्रिपाठी ने प्रथम, मुस्कान जायसवाल एवं गंगोत्री जायसवाल ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा ज्ञानेश कुमार नापित, कुंदन भारती एवं सुधा यादव संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं द्वारा पौधरोपण किया गया तथा अपने द्वारा लगाए गए पौधों के संरक्षण के लिए उन्हें गोद भी लिया गया।

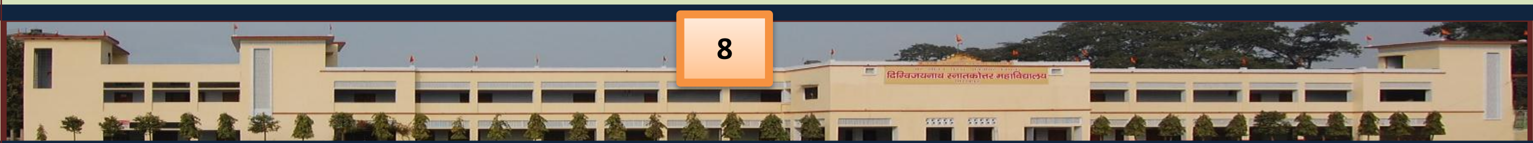

महाविद्यालय की छात्रा सृष्टि त्रिपाठी गूगल कैंपस एंबेसडर चयनित

दिनांक 17.09.2025 को महाविद्यालय की बी.सी.ए अंतिम वर्ष की छात्रा सृष्टि त्रिपाठी का चयन गूगल द्वारा ''गूगल कैंपस एंबेसडर'' के रूप में किया गया। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह एवं आई.क्यू.ए.सी. कोऑर्डिनेटर प्रो. परीक्षित सिंह ने छात्रा को सम्मानित किया। सृष्टि की मेंटरिंग महाविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. पवन कुमार पाण्डेय द्वारा की जा रही है।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने छात्रा सहित पूरे बीसीए एवं कंप्यूटर विज्ञान विभाग को बधाई दिया। **आई.क्यू.ए.सी. कोऑर्डिनेटर प्रो. परीक्षित सिंह ने कहा कि** इस सफलता का श्रेय छात्रा सहित पूरे विभाग को जाता है।

सृष्टि की मेंटरिंग कर रहे डॉ. पवन कुमार पाण्डेय ने बताया कि अब एक विशेष कार्यशाला "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" पर आधारित मॉड्यूल तैयार किया जाएगा, जिसमें महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थी भी निःशुल्क प्रतिभाग कर सकेंगे।

आई.क्यू.ए.सी. की बैठक

दिनांक 19.09.2025 को प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह, आई.क्यू.एसी. समन्वयक, प्रो. परीक्षित सिंह व क्राइटेरिया संयोजकों की बैठक हुई। जिसमें निम्नलिखित विन्दुओं पर चर्चा हुई–

1. संस्थान में शैक्षणिक और प्रशासनिक गुणवत्ता सुधार पर चर्चा।
2. गतिविधियों की योजना बनाना और मूल्यांकन करना।
3. शिक्षण, अधिगम और मूल्यांकन पद्धतियों में सुधार।
4. अभ्यागत, छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों से फीडबैक का विश्लेषण।
5. वर्ष भर की प्रगति की समीक्षा
6. आगामी योजनाओं का निर्धारण।

प्राणि विज्ञान विभाग एवं जूलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व अल्जाइमर दिवस का आयोजन

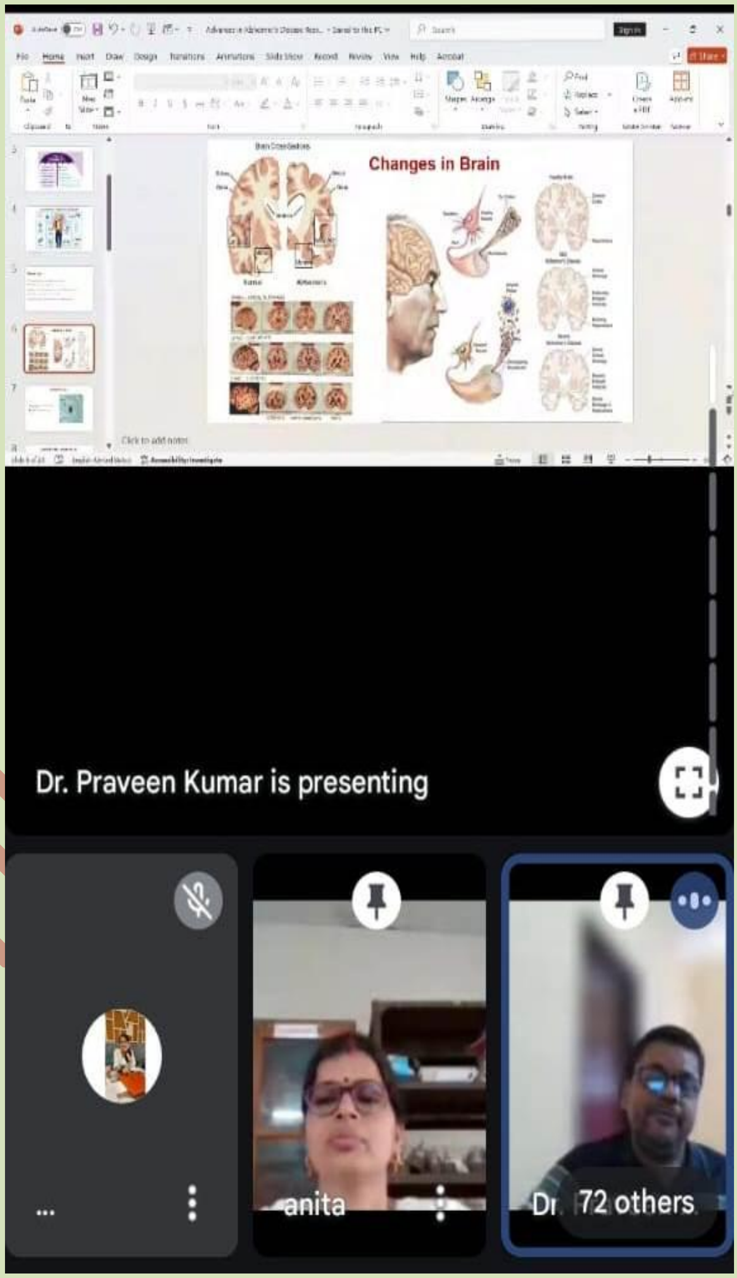

दिनांक 20.09.2025 को महाविद्यालय गोरखपुर के **प्राणि विज्ञान विभाग एवं जूलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व अल्जाइमर दिवस** की पूर्व संध्या पर स्नातक (बायो) के विद्यार्थियों के लिए **ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान** का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ प्रवीण कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर लाइफ साइंस, केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड, रांची थे। इस अवसर पर उन्होने बताया कि यह स्मृति लोप की बीमारी है। इस बीमारी के कारण इंसान की दिन–प्रतिदिन के क्रियाकलाप प्रभावित होते हैं और परिणाम स्वरुप व्यक्ति और परिवार का आर्थिक नुकसान होता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने किया। **प्रो. परीक्षित सिंह, समन्वयक, आई.क्यू.ए.सी.** ने कहा कि इस बीमारी से बचाव के लिए जन जागरूकता फैलाना अति आवश्यक है। **कार्यक्रम की संयोजक डॉ अनिता कुमारी, असिस्टेंट प्रोफेसर व प्रभारी प्राणि विज्ञान विभाग** ने विषय प्रवर्तन व अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि इस बीमारी का इलाज संभव नहीं है और इससे बचाव के लिए संतुलित जीवन शैली अपनानी चाहिए।

दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज के दो प्राध्यापक 'नेशन बिल्डर अवॉर्ड' से सम्मानित

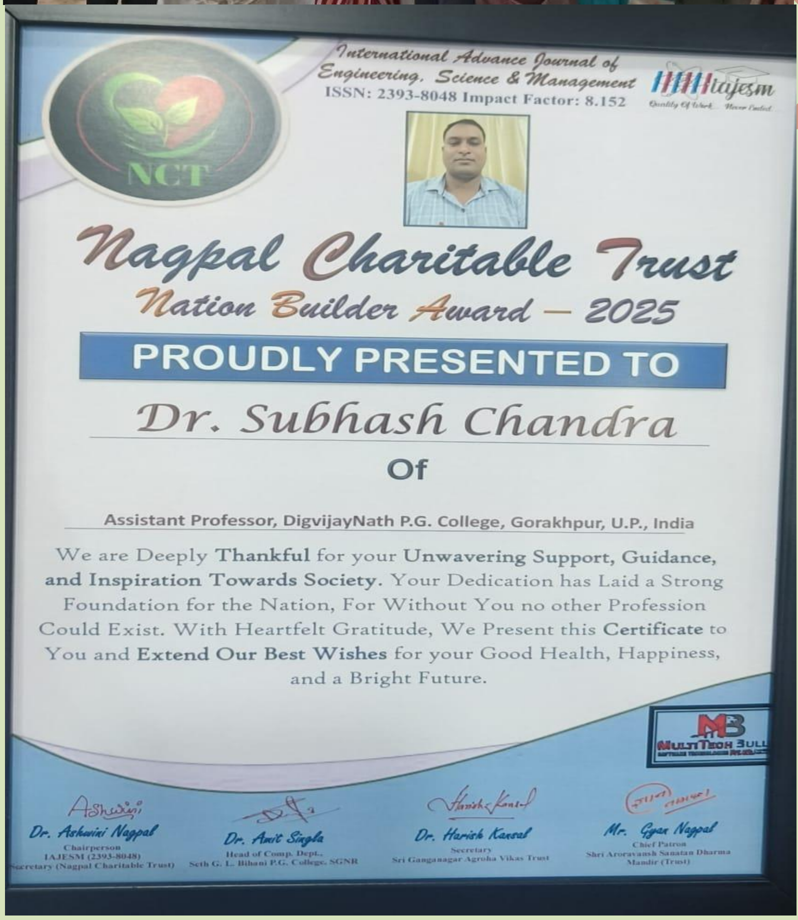

दिनांक 22.09.2025 को नागपाल चौरिटेबल ट्रस्ट, श्रीगंगानगर, राजस्थान द्वारा आयोजित भव्य समारोह में "नेशन बिल्डर अवॉर्ड" प्रदान किया गया। उस समारोह में देश एवं विदेश के कुल 70 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर महाविद्यालय के दो प्राध्यापक डॉ. पवन कुमार पाण्डेय, कंप्यूटर विज्ञान विभाग एवं डॉ. सुभाष चंद्र, बी.एड. विभाग को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। डॉ. सुभाष चंद्रा का अवॉर्ड डॉ. पवन कुमार पाण्डेय ने मंच पर प्राप्त किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने दोनों शिक्षकों को हार्दिक बधाई दिया। यह उपलब्धि न केवल हमारे शिक्षकों की व्यक्तिगत प्रतिभा और समर्पण का परिणाम है, बल्कि हमारे महाविद्यालय की शैक्षणिक परंपरा और गुणवत्ता का भी प्रतीक है। हमारे शिक्षक शोध, नवाचार और उत्कृष्ट अध्यापन पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का कार्य कर रहे हैं। ऐसे सम्मान हमारे संस्थान की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर साख को और सुदृढ़ करते हैं।

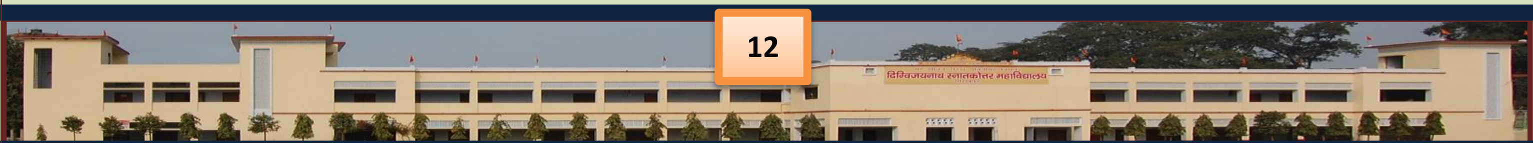

आई.क्यू.ए.सी. कोऑर्डिनेटर प्रो. परीक्षित सिंह ने भी दोनों शिक्षकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह गौरवशाली क्षण पूरे महाविद्यालय परिवार के लिए प्रेरणादायी है। हमारे संकाय सदस्य शिक्षा के नए मानक स्थापित कर रहे हैं और नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के अनुरूप विद्यार्थियों में क्रिटिकल थिंकिंग, प्रॉब्लम सॉल्विंग और रिसर्च ओरिएंटेशन विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। यह सम्मान हमारे शैक्षणिक वातावरण को और सशक्त करेगा।

शिक्षाशास्त्र विभाग के डिजाइन को ब्रिटेन की संस्था ने किया पेटेंट

दिनांक 24.09.2025 को महाविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. त्रिभुवन मिश्रा एवं अन्य विश्वविद्यालय व महाविद्यालय के प्राध्यापकों के सहयोग से बनाए गए डिजाइन को ब्रिटेन की संस्था (यूके गवर्नमेंट) ने पेटेंट किया है। मूलतः कुशीनगर निवासी महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ.त्रिभुवन मिश्रा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित टूल बनाने की टीम में शामिल रहे। यह एक एआई–संचालित कंप्यूटर उपकरण है, जिससे छात्रों की सहभागिता और शैक्षणिक प्रदर्शन की निगरानी, विश्लेषण और उसे बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। साथ ही यह उपकरण शैक्षणिक मानकों जैसे– कार्य पर बिताया गया समय, क्विज स्कोर और शिक्षण सामग्री के साथ बातचीत के पैटर्न को भी ट्रैक करता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.ओम प्रकाश सिंह, विभागाध्यक्ष डॉ.निधि राय एवं मुख्य नियंता सहित महाविद्यालय के प्र ाध्यापकों ने डॉ. त्रिभुवन को सम्मानित किया। इस दौरान प्राचार्य ने कहा कि 'पेटेंट किसी नए आविष्कार के लिए उस आविष्कारक को दिया जाने वाला एक कानूनी अधिकार है। डॉ. त्रिभुवन की उपलब्धि महाविद्यालय व समस्त गोरखपुर जनपद के लिए गौरव का विषय है। इनके द्वारा किया गया कार्य अन्य प्राध्यापकों को भी प्रेरित करेगा, वे भी अपने रचनात्मक कार्यों के माध्यम से समाज में पहचान बनाएंगे। विभागाध्यक्ष निधि राय ने कहा कि पेटेंट के द्वारा नवाचार एवं अनुसंधान को बढ़ावा मिलता है। इससे

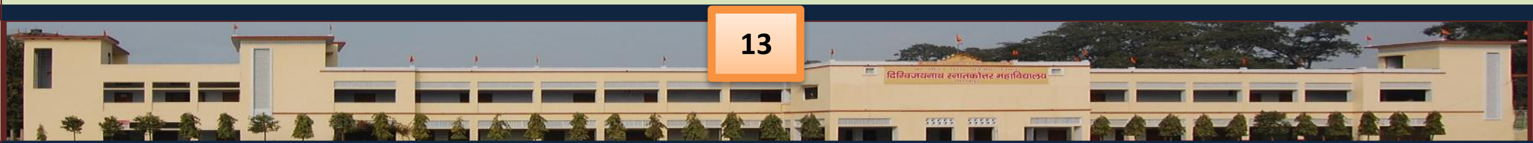

महाविद्यालय में प्रतिस्पर्धी माहौल बनेगा। इस अवसर पर मुख्य नियंता डॉ. आर.पी. यादव, डॉ अखंड सिंह, डॉ श्याम सिंह, डॉ,सुजीत सिंह, डॉ जागृति विश्वकर्मा डॉ दीपक सिंह आदि उपस्थित रहे।

''विश्व धर्म संसद, शिकागो'' विषय पर एक प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 24 सितंबर 2025 को महाविद्यालय के गणित विभाग के तत्वावधान में विवेकानंद केंद्र की ओर से ''विश्व धर्म संसद, शिकागो'' विषय पर एक प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कॉलेज के छात्रों में स्वाभिमान, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को जागृत करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत गणित विभाग के प्रभारी डॉ सूरज कुमार शुक्ल ने किया जिसमें उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद की शिक्षाएँ आज के युवा पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक हैं। इसके बाद विवेकानंद केंद्र के प्रमुख वक्ता अवधेश सिंह एवं विशिष्ट वक्ता आदित्यपाल ने **'विश्व धर्म संसद, शिकागो'** में स्वामी विवेकानंद के योगदान, उनके विचारों और युवाओं को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के संदेश । पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रम में छात्रों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई और उन्होंने स्वामी विवेकानंद के जीवन और उनके आदर्शों पर अपने विचार साझा किए।

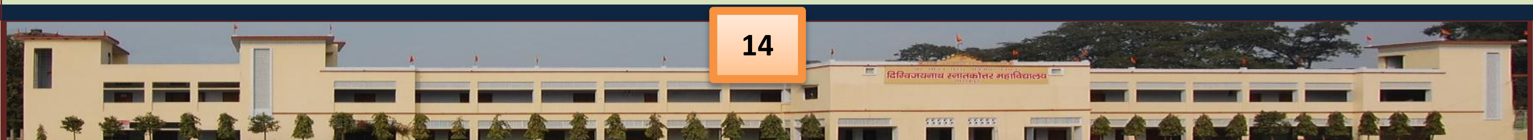

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह जी का निधन पर श्रंद्धाजलि सभा का आयोजन

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह जी का निधन दिनांक 27.09.2025 को हो गया। 92 वर्षीय प्रो. सिंह कुछ महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे, वे एक शिक्षाविद थे। अध्यापन कार्य में आने के बाद से ही उनका पूरा जीवन गोरक्षपीठ और महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के प्रति समर्पित रहा। उन्होने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष के रूप में अन्तिम श्वांस ली। **महाविद्यालय द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा समारोह में प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने** प्रो. यू.पी. सिंह के प्रति शोक व्यक्त करते हुए कहा कि प्रोफेसर यूपी सिंह का महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उन्नयन में योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। वे परिषद के अध्यक्ष के रूप में शैक्षिक नवाचार, संस्थागत विस्तार और राष्ट्रवादी शिक्षा की भावना को समर्पित रहे, जिससे परिषद उत्तर प्रदेश और देश में शैक्षिक एवं सामाजिक जागरूकता का केंद्र बना हुआ है। प्रो. यूपी सिंह ने महाराणा प्रताप डिग्री कॉलेज से अपने शिक्षा सेवा की शुरुआत की थी और धीरे–धीरे परिषद के शीर्ष पद तक पहुंचे। उनके नेतृत्व में परिषद ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय सहित कई शिक्षण संस्थानों की स्थापना की, जिससे उच्च शिक्षा को विस्तार मिला। शिक्षा परिषद के अध्यक्ष के रूप में वे प्रतिदिन संस्थाओं की प्रगति में स्वयं को समर्पित रखते थे और नवाचार व गुणवत्ता सुनिश्चित करते थे। प्रोफेसर सिंह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विद्या भारती से भी जुड़े रहे, राष्ट्रवादी शिक्षा दृष्टि को बढ़ावा दिया। उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और स्वदेशी दृष्टिकोण के अनुरूप शिक्षा नीति को पूर्णतः अपनाने पर बल दिया। साथ ही उनकी प्रेरणा से परिषद द्वारा संचालित संस्थान राष्ट्रीय शिक्षा नीति को आदर्श रूप में अपनाने, सामाजिक सहभागिता और

Septemb

राष्ट्रहित के लिए निरंतर नवाचार करता रहा है। क्षेत्रीय शिक्षण संस्थाओं के विकास के साथ उन्होंने राष्ट्रनिर्माण और शैक्षिक पुनर्जागरण का मार्ग प्रशस्त किया।

प्रोफेसर यूपी सिंह ने अपने कार्यकाल में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद को भौतिक और वैचारिक रूप से राष्ट्रीय चेतना एवं शैक्षिक उत्कृष्टता का केंद्र बना दिया, जिससे समाज और राष्ट्र को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा। ऐसे शिक्षाविद राष्ट्रीय चेतना के वाहक और महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद को अपना सम्पूर्ण जीवन प्रदान करने वाले पुण्यात्मा की शांति के लिए **महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की शोक सभा आयोजित की गयी** तथा परम पिता परमेश्वर से यह प्रार्थना किया गया कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

भक्ति, सेवा और संगीत की त्रिवेणी : NSS सेवा पखवाड़ा में गूंजे संत वचनों और सुरों के स्वर

दिनांक 28.09.2025 महाविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के इकाइयों द्वारा सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में संतो के आशीर्वाद प्राप्ति हेतु संवाद भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस **कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सेवा और भक्ति की भावना को जागृत करना तथा युवाओं को संस्कृति और आध्यात्मिकता से जोड़ना था।**

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संगीत विद्वान श्री आशुतोष विश्वकर्मा जी ने कहा "भजन और संगीत केवल मनोरंजन नहीं हैं, यह आत्मा और परमात्मा के बीच सेतु का कार्य करते हैं। संगीत हमें भीतर से शांति देता है और सेवा हमें बाहर से सशक्त बनाती है। जब दोनों का समन्वय हो, तभी जीवन सार्थक बनता है। "उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि तकनीकी युग में भी भारतीय संगीत और भक्ति परंपरा को जीवित रखना ही हमारी पहचान है।

एन.सी.सी. कैडेट्स ने 'स्वच्छता ही सेवा है अभियानः 2025' के अन्तर्गत चलाया स्वच्छता कार्यक्रम

दिनांक 28.09.2025 को 44 यूपी वाहिनी एन.सी.सी., गोरखपुर के तत्वावधान में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर की एन.सी.सी. प्लाटून द्वारा प्रातः 8:00 बजे से 9:00 बजे तक 'राष्ट्रव्यापी श्रमदान कार्यक्रम' के अन्तर्गत 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' थीम के अन्तर्गत स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने महाविद्यालय परिसर तथा उसके आस–पास के क्षेत्रों की साफ़–सफ़ाई कर विद्यार्थियों तथा नागरिकों को स्वच्छता का सन्देश दिया। **इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के सभी नागरिकों को राष्ट्र की स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है।** सभी नागरिक राष्ट्र को स्वच्छ रखने में अपना–अपना योगदान दें।

विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश @ 2047" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 28.09.2025 को महाविद्यालय में **"विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश @ 2047" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. ईश्वर शरण विश्वकर्मा पूर्व अध्यक्ष उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग थे अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि** पूरी दुनियाँ में हमें भोग भूमि मिलती है, परन्तु भारत एक

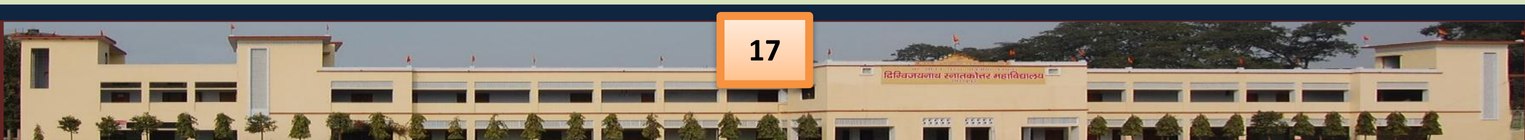

ऐसा विशिष्ट भूखण्ड है जो कर्मभूमि है। भारत की एकता, समग्रता के साथ ही है अंतिम पायदान पर रहने वाले प्रत्येक नागरिक को जब तक हम विकास की मुख्य धारा से जोड़ नहीं लेते, तब तक विकास की बात अधूरी है। **कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि** भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर, आजादी के अमृत काल के अवसर पर 2047 के विकसित भारत का लक्ष्य रखा। दुनियाँ की कोई ऐसी ताकत नहीं है जो भारत के विकास को नजरअंदाज कर सके। मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के यशस्वी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज नई सोच, नई ऊर्जा और नये संकल्पों के साथ एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उक्त कार्यक्रम का संचालन डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह व आभार ज्ञापन श्री इन्द्रेश पाण्डेय ने किया।

प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में बी.कॉम प्रथम वर्ष के छात्र/छात्राओं के लिए रोजगारोन्मुखी शिक्षा

दिनांक 29.09.2025 को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग एवं प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में बी.कॉम प्रथम वर्ष के छात्र/छात्राओं के लिए रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रिज्यूम राइटिंग, इंटरव्यू एवं ग्रुप डिस्कशन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियो को करियर निर्माण की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यशाला के मुख्य वक्ता ई. पीयूष पाण्डेय, प्लेसमेंट सेल एवं पर्सनेलिटी डेवलेपमेंट ट्रेनर, बालाजी एकेडमी ने बताया कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में प्रभावी रिज्यूम राइटिंग करियर की पहली सीढ़ी है। सही संरचना, स्पष्ट भाषा और प्रासंगिक उपलब्धियों का उल्लेख उम्मीदवार को अन्य से अलग पहचान दिलाता है। इंटरव्यू की तैयारी पर बोलते हुए उन्होने कहा कि आत्मविश्वास, सकारात्मक बॉडी लैंग्वेज और सटीक उत्तर चयन प्रक्रिया में सफलता की कुंजी हैं। **कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ संजीव कुमार सिंह ने कहा कि** ऐसे कार्यक्रम छात्रों को रोजगार बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाएंगे और उनके व्यक्तित्व विकास में भी सहायक सिद्ध होंगे।

September 2025